यूक्रेनी लोक कथा

इवांको और समझदार डुलियाना

चित्र: टी. सिल्वाशी, हिंदी: अरविन्द गुप्ता

एक बार इवांको नाम का एक युवक रहता था. उसने अपने पिता को बचपन में ही खो दिया था और इसलिए उसे किशोरावस्था में ही खुद ही अपना जीवन यापन करना शुरू करना पड़ा. वो अक्सर शिकार करने जाता था और वो धनुष-बाण चलाना अच्छी तरह सीख गया था.

एक दिन जंगल से खाली हाथ लौटते समय उसकी मुलाकात एक बूढ़ी औरत से हुई जो एक दूध का जग लेकर जा रही थी.

"मुझे आज कोई शिकार नहीं मिला," उसने खुद से कहा, "लेकिन अगर मैं यहां से बुढ़िया के जग पर वार कर सकूं तो उसका मतलब यह होगा कि मैं एक अच्छा निशानेबाज़ हूं."

फिर इवांको ने एक तीर चलाया और उससे बुढ़िया के जग का हैंडल टूट गया.

बुढ़िया बहुत गुस्सा हुई.

"तुम केवल तभी शादी कर पाओगे जब समझदार डुलियाना तुम्हें अपने पति के रूप में स्वीकार करने को तैयार होगी!" वो चिल्लाई.

इवांको ने इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब शादी करने का समय आया, तो किसी भी लड़की ने उसे पसंद नहीं किया, हालांकि उसने कई लड़कियों से प्रेम करने की कोशिश की. उसे बूढ़ी औरत की बात याद रही और फिर उसे यह महसूस हुआ कि समझदार डुलियाना की तलाश में जाने के अलावा उसके पास अब कोई रास्ता नहीं बचा था. फिर उसने अपने लिए एक घोड़ा खरीदा.
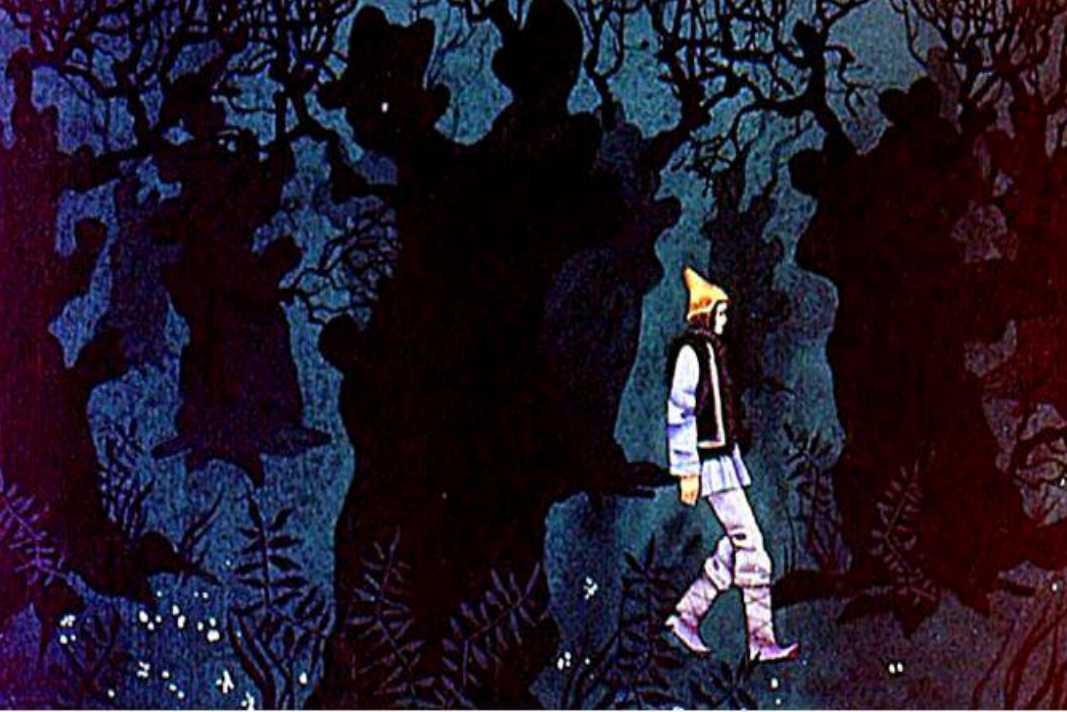
"मैं बुद्धिमान डुलियाना की तलाश में जा रहा हूं, मां!" इवांको ने कहा. "क्या पता! शायद कहीं वैसी कोई लड़की हो."

वो अपने घोड़े पर बैठा और घर से निकल पड़ा. और वो इतने लम्बे समय तक चलता रहा कि उसका घोड़ा मर गया और फिर उसे पैदल ही आगे बढ़ना पड़ा. वो ऐसे देश में पहुंचा जहां पक्षी नहीं उड़ते थे और सूरज नहीं चमकता था, परन्तु वो वहां नहीं रुका और चलता ही रहा.
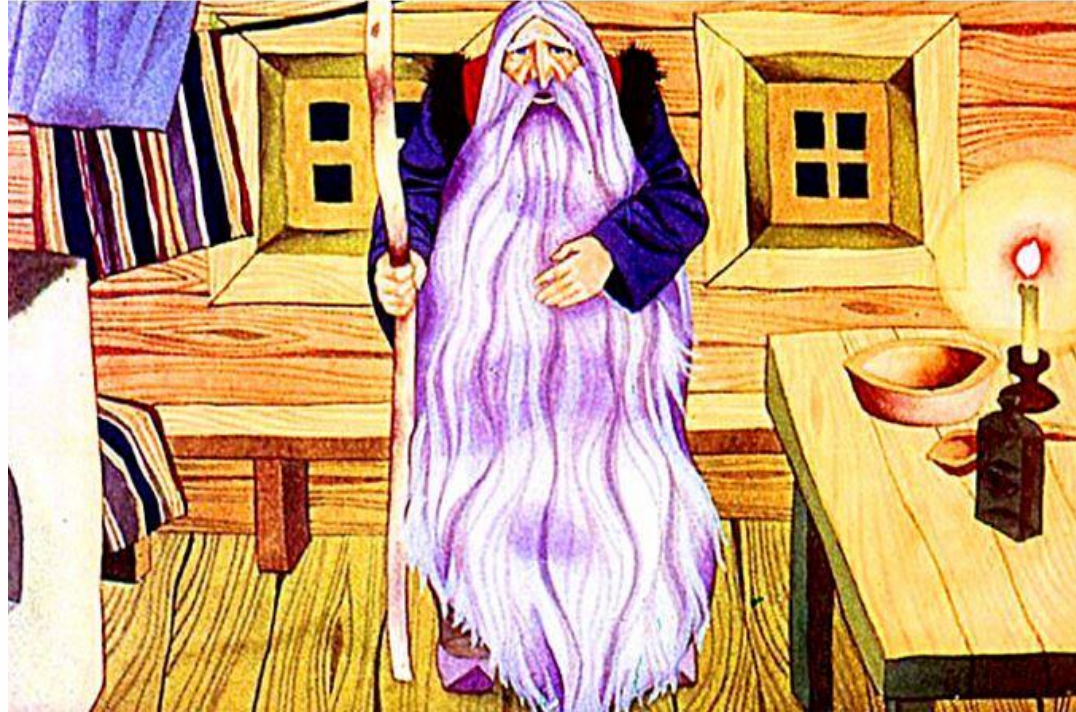
एक दिन, जब वो जंगल से गुजर रहा था, तब उसकी नजर एक छोटी सी झोपड़ी पर पड़ी जो जमीन में इतनी गहरी धंसी हुई थी कि उसे देखना भी मुश्किल था. इवांको ने झोपड़ी में अंदर कदम रखा और वहां उसने एक छोटे बूढ़े आदमी को देखा जिसकी दाढ़ी इतनी लंबी थी कि वो फर्श को छू रही थी.

"प्रणाम, दादाजी!" इवांको ने कहा.

बूढ़े ने अपनी आंखें ऊपर उठाईं और उसकी ओर देखा.

"नमस्कार, मेरे बेटे!" बूढ़े ने कहा. "मैं ढाई सौ साल का हूं, लेकिन मैंने बहुत समय से तुम्हारे जैसा अच्छा और विनम्र लड़का नहीं देखा. बेटा, तुम कहां जा रहे हो?"

इवांको ने जवाब दिया, "मैं अपनी दुल्हन, समझदार डुलियाना को ढूंढ रहा हूं, लेकिन मुझे यह नहीं पता कि उसे कहां ढूंढूं. शायद आप मेरी कुछ मदद कर सकें, दादाजी?"

"मैंने भी उस लड़की के बारे में कभी नहीं सुना, लेकिन मैं तुम्हारे लिए जो कर सकता हूं वो मैं ज़रूर करूंगा." बूढ़े आदमी ने कहा, "मैं तुम्हें धागे की एक गेंद देता हूं जो तुम्हें इस जंगल से बाहर ले जाएगी."
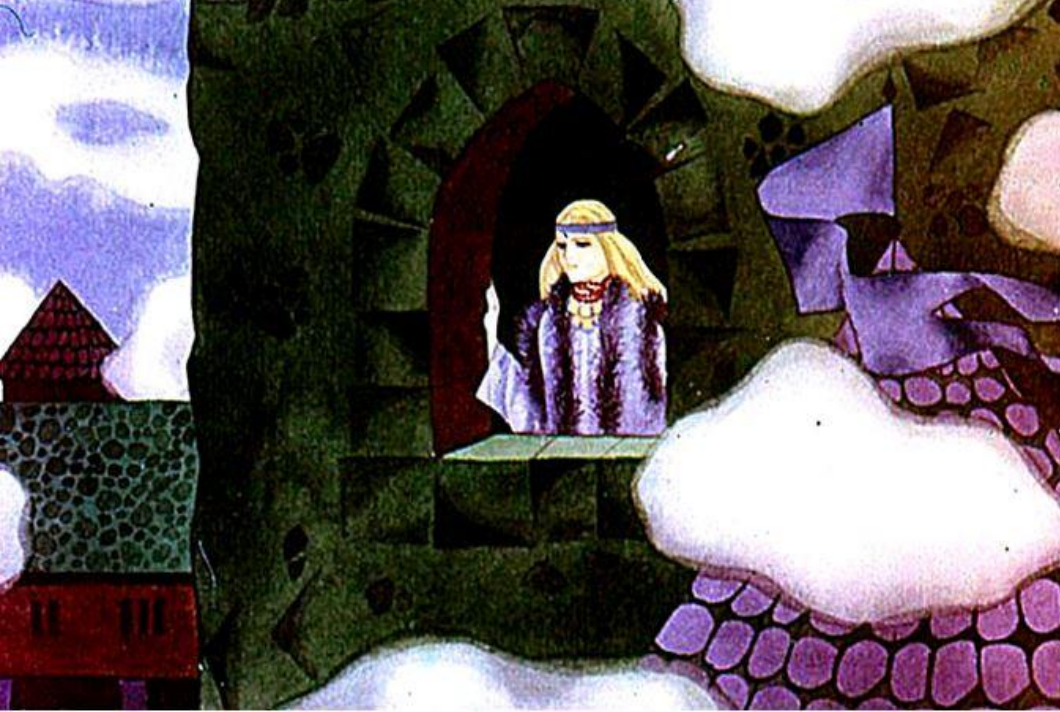
इवांको धागे की गेंद के पीछे चला और जल्द ही जंगल से बाहर खुले में आ गया, जबकि सूरज ऊपर चमक रहा था. उसे अपने ठीक सामने बारह मंजिल ऊंचा एक घर दिखाई दिया.

समझदार डुलियाना उसकी सबसे ऊपरी मंजिल पर बैठी थी और उसने इवांको को दूर से देखा.

वो तुरंत इवांको से मिलने के लिए दौड़ी. उसने खुशी से उसका स्वागत किया, उसे कुछ खाना और पेय दिया और कहा:

"यह शैतानों के शैतान का घर है. उसने मुझे बंदी बनाकर रखा है. मैं नहीं चाहती कि वो तुम्हें मार डाले, इसलिए अब मैं तुम्हें एक बूढ़े आदमी में बदल दूंगी. तुम कुछ समय तक गायों के साथ खलिहान में रहना. और सांझ को जब शैतानों का शैतान लौटकर आएगा, तब मैं उस से कहूंगी, कि तुम यहां काम की खोज में आए हो."

शाम हो गई, और शैतानों का शैतान घर वापिस आया. उसने अपने घोड़े को बांधा और डुलियाना की ओर मुड़ा.

"वहां खलिहान में कौन है?" शैतान ने पूछा.

"वो एक गरीब बूढ़ा आदमी है. वो आज सुबह आया था, उसने मुझसे कुछ खाना मांगा और तब से वो गायों की देखभाल कर रहा है. मैं चाहती हूं कि आप उसे यहीं रहने दें और वो हमारे लिए काम करें, क्योंकि मेरे पास करने के लिए पहले ही बहुत सारे काम हैं."

शैतानों के शैतान ने कहा, "उसे यहां बुलाओ, मैं उससे बात करना चाहता हूं."

इवांको घर में आया, और शैतानों के शैतान ने अपनी भारी भौंहों के नीचे से उसपर एक कड़ी नज़र डाली और कहा:

"आओ, अपने सही भेष में आ जाओ, बूढ़े!"

फिर इवांको दुबारे से अपने पुराने रूप में वापिस आ गया.

शैतानों का शैतान बहुत गुस्से में था और वो इवांको को कुछ लोहे के पकौड़े खाने के लिए मजबूर करना चाहता था, क्योंकि वो उसका उन लोगों से निपटने का एक पैशाचिक तरीक था जिनसे वो नफरत करता था, लेकिन समझदार डुलियाना एक बुद्धिमान नौकरानी थी और उसने कहा कि इवांको पहले ही रात का खाना खा चुका था.

"ठीक है, तो उसे अब बिस्तर पर जाने दो, क्योंकि उसे जल्द ही उठना होगा!" शैतानों के शैतान ने कहा. "मैं उसे आधी रात के समय कुछ काम करने को दूंगा."

इवांको खलिहान में वापस चला गया, और वो वहां बैठ गया और डर से कांपने लगा, क्योंकि वो नहीं जानता था कि उसका आगे क्या होगा.

आधी रात हुई, और फिर शैतानों के शैतान ने इवांको को बुलाया और उसे जंगल में ले गया.

"एक लकड़ी की कुल्हाड़ी लो और काम पर लग जाओ!" उसने कहा, "तुम्हें अपने आगे और पीछे जितने भी स्प्रूस के पेड़ दिखें, उन्हें काट डालो और फिर मिट्टी पलट दो और वहां गेहूं बो दो. और ध्यान रहे कि गेहूं एक ही दिन में पक जाए, वो काटा जाए, और उसकी बनी आटे की ताजी रोटी शाम को मेरे खाने के लिये पकाकर मेज़ पर रखी हो. यदि तुम ऐसा नहीं करोगे तो तुम एक भयानक मौत मरोगे!"

इवांको ने खुद से कहा, "शैतानों के शैतान ने मुझे कड़ी मेहनत वाला काम दिया है और इतना कम समय दिया है कि एक आदमी की बात छोड़ दो, पूरा गांव भी बिना मदद के उसे कभी पूरा नहीं कर पाएगा."

उसने एक लकड़ी की कुल्हाड़ी उठाई और उससे एक पेड़ पर वार किया, और लो! - वो पेड़ टुकड़े-टुकड़े हो गया. फिर इवांको जमीन पर गिर पड़ा और सिर लटकाकर वहीं बैठ गया. समझदार डुलियाना ने उसे वहीं पाया जब वो दोपहर के समय उसका भोजन लेकर आई.

"अपना दोपहर का भोजन खाओ, इवांको, और चिंता मत करो," समझदार डुलियाना ने कहा.

इवांको ने अपना दोपहर का भोजन खाया और फिर समझदार डुलियाना ने उससे पूछा कि शैतानों के शैतान ने उसे कौन सा काम करने को दिया था.
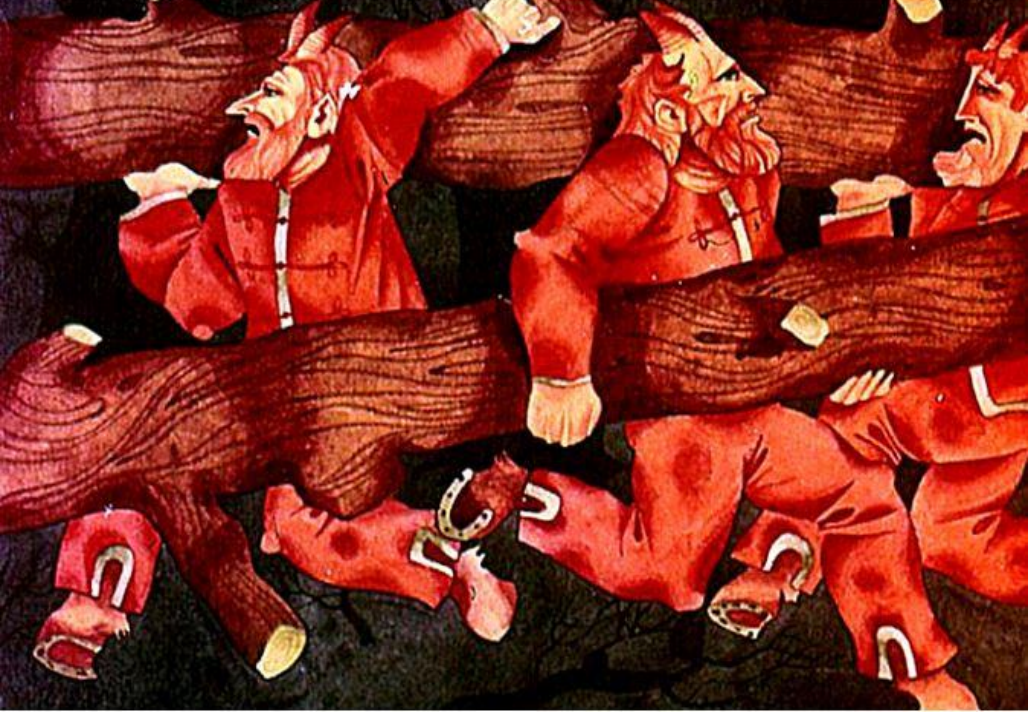
इवांको ने कहा, "उसने मुझसे कहा कि इस पूरे जंगल को उखाड़ फेंको, यहां गेहूं लगाओ और शाम से पहले उसके लिए उस गेहूं से खाने की रोटी बनाओ."

समझदार दुलियाना ने सीटी बजाई, और शैतान के नौकर, सभी राक्षस, दौड़े हुए आए. उसने उन्हें बताया कि क्या करना है, और फिर शाम तक घर, ताज़ी पकी हुई रोटी की गंध से भर गया.

शैतानों का शैतान बहुत खुश हुआ और उसने इवांको की पीठ थपथपाई.

"तुमने बहुत अच्छा काम किया!" उसने कहा. "और अब सो जाओ, क्योंकि आधी रात को मैं तुम्हें एक और काम करने को दूंगा."

इवांको अब पहली बार की तुलना में कम डरा हुआ था, लेकिन वो यह अनुमान लगाने की कोशिश कर रहा था कि अब उसे क्या नया काम मिलेगा. इसलिए वो बिल्कुल सो नहीं सका.

आधी रात को शैतानों का शैतान उठा और उसने इवांको को चमड़े का एक बड़ा थैला दिया और उसे एक झील के किनारे ले गया.

"तुम्हें शाम से पहले झील को सूखा देना होगा ताकि हवा के लिए नीचे केवल मिट्टी ही बची रहे. फिर झील के तल पर केवल एक खम्बे वाला एक कांच का पुल बनाना और उसके ऊपर तीन लाल खंभे रखना. उन तीन खंबों पर तीन चिड़िये बैठी हों और जब भी मैं पुल पार करूं तो वे तीन अलग-अलग सुरों में मेरे लिए गीत गायें."
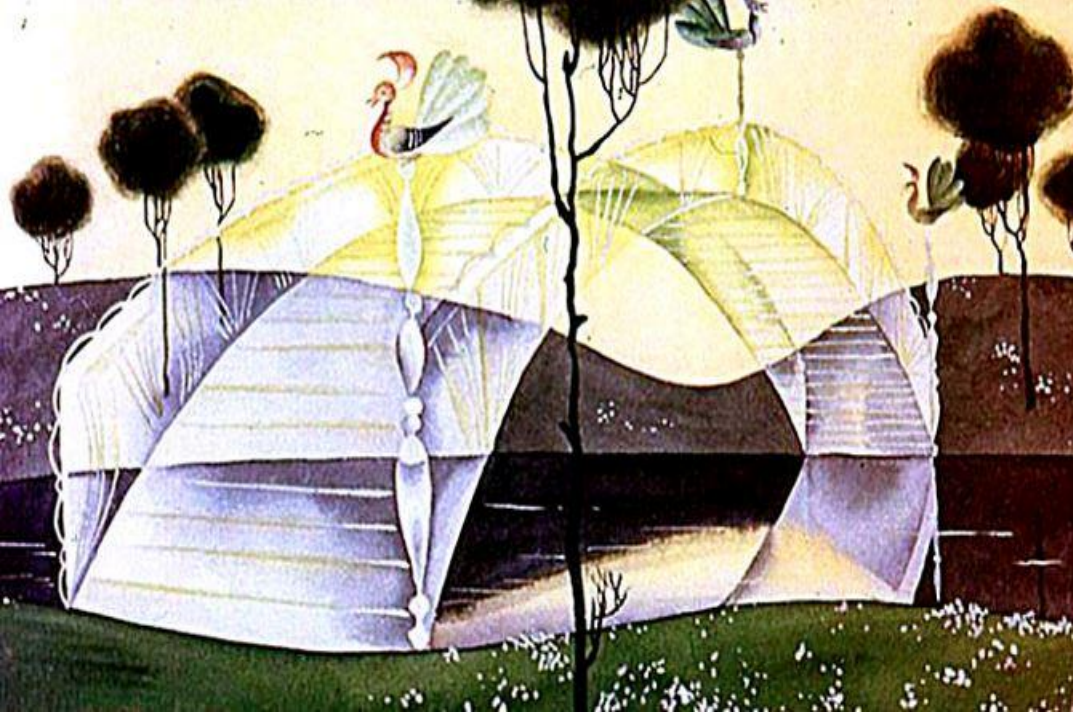
शैतानों का शैतान चला गया, लेकिन इवांको ने झील को खाली करने की कोशिश नहीं की. उसकी बजाय, उसने समझदार डुलियाना के आने की प्रतीक्षा की, और उसने दोपहर का भोजन तब तक नहीं खाया जब तक उसने उसे डुलियाना को यह नहीं बताया कि शैतान ने उससे क्या करने के लिए कहा था. और जब बुद्धिमान डुलियाना ने इवांको की बात सुनी तो उसने सीटी बजाई, और राक्षस दौड़ते हुए आये. वे बहुत तेज़ थे, और, वे झील में कूद गए और उन्होंने झील के तल में बड़े छेद बनाया जिससे सारा पानी नीचे जमीन में चला गया, और जहां झील थी वहां अब सूखी, धूल वाले फर्श के अलावा और कुछ नहीं था. और इवांको के खाना ख़त्म करने से पहले, तीन युवा पक्षी कांच के पुल के तीन लाल खंभों के शीर्ष पर गीत गा रहे थे.

शैतानों के शैतान के पास इवांको की प्रशंसा के अलावा कुछ नहीं था.

उसने कहा, "तुम्हारा प्रदर्शन एक अच्छे नौकर जैसा है," अब तुम जब तक चाहो मेरे यहां रह सकते हो और काम कर सकते हो.

इवांको शैतानों के शैतान के साथ रहा और उसने लंबे समय तक उसके लिए काम किया, लेकिन एक दिन समझदार डुलियाना उससे मिलने आई और उसने फुसफुसाते हुए कहा:

"घोड़ों पर काठी बांधो, इवांको, अब हम तुम्हारे देश में भागकर जायेंगे!"

इवांको ने घोड़ों पर काठी बांधी और वे चल दिए, लेकिन वे बहुत दूर नहीं गए थे कि शैतान का घोड़ा जोर-जोर से हिनहिनाने लगा. शैतानों का शैतान जल्दी अपने घर से बाहर निकला, और घोड़े ने उसे बताया कि इवांको और समझदार डुलियाना एक साथ भाग गए थे.

"क्या मेरे पास उनका पीछा करने से पहले दस थाली लोहे के पकौड़े खाने, बारह बैरल बीयर पीने और बीस डिब्बे सिगार पीने का समय है?" शैतानों के शैतान ने पूछा.

"हां! आप जो चाहें खा-पी सकते हैं और धूम्रपान कर सकते हैं," घोड़े ने उत्तर दिया. "वे हमसे ज़्यादा दूर नहीं जा पाएंगे!"
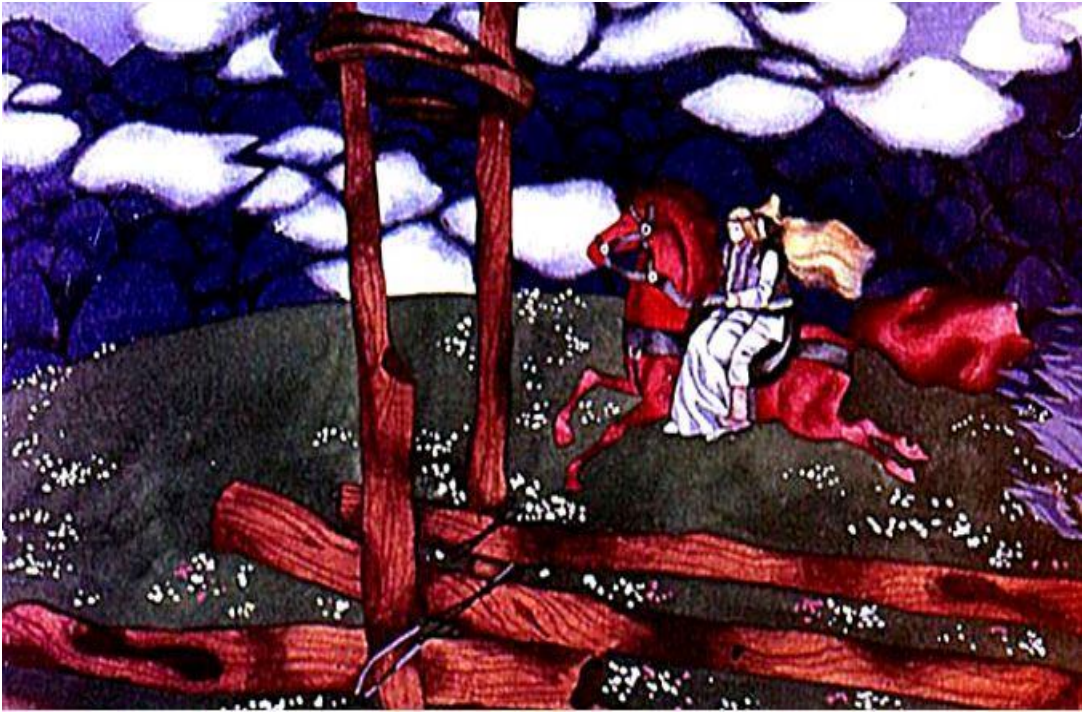
इवांको और समझदार डुलियाना आगे बढ़े, और अचानक इवांको चिल्लाया और उसने कहा कि उसे ऐसा महसूस हुआ जैसे कोई चीज उसे जला रही हो.

"अपने पीछे देखो - जो लौ तुम्हें दिख रही है वह किस रंग की है?" समझदार डुलियाना ने पूछा.

"वो नीली है," इवांको ने उत्तर दिया.

"वो शैतान का घोड़ा है जो हमारी ओर अपनी सांसें भेज रहा है." समझदार डुलियाना ने कहा, "लेकिन चिंता मत करो. मैं अपने घोड़ों को झाड़ियों में और खुद को खरगोशों में बदल दूंगी. फिर शायद शैतानों का शैतान हमें नहीं पहचान पाएगा और हमारे पास से होकर निकल जाएगा."

लेकिन वो एक व्यर्थ आशा साबित हुई, क्योंकि शैतान के घोड़े को पता था कि वे कौन थे और कहां थे और उसने अपने मालिक को उनके बारे में चेतावनी दे दी थी. उसके बाद शैतानों के शैतान ने तुरंत अपनी तलवार निकाल ली.

"यदि तुम चाहते कि मैं तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े न करूं तो अपने उचित आकार ले लो!" वो चिल्लाया.

समझदार डुलियाना ने वैसा ही किया जैसा उसे आदेश मिला था और फिर वो और इवांको अपने-अपने उचित रूप में वापस आ गए.

शैतानों के शैतान ने इवांको से कहा, “देखो, पहली बार मैंने तुम्हें माफ कर दिया, क्योंकि तुमने वो पहला काम पूरा किया जो मैंने तुम्हें करने को कहा था.“

फिर वे शैतान के घर वापस चले गए और पहले की तरह वहीं रहने लगे, लेकिन कुछ समय बाद समझदार डुलियाना ने इवांको से फिर कहा:

"चलो हम फिर से भागने की कोशिश करें! शायद इस बार हम अधिक भाग्यशाली निकलें."

वे चले, और तीन दिन तक रास्ते पर चलते रहे, परन्तु जब चौथा दिन आया, तो शैतान का घोड़ा दुबारा जोर-जोर से हिनहिनाने लगा.

"क्या उनका पीछा करने से पहले मेरे पास खाने का समय है?" शैतानों के शैतान ने अपने घोड़े से पूछा.

"बहुत समय हैं! वे हमसे दूर नहीं जा पाएंगे!" घोड़े ने उत्तर दिया.

शैतानों के शैतान ने पेट भरकर खाया-पीया और सिगरेट पी, और फिर उसने अपने घोड़े की पीठ पर चढ़कर उनका पीछा किया.

इवांको और समझदार डुलियाना आगे बढ़े और अचानक इवांको ने कहा कि कोई चीज़ उसे जला रही थी.

"अपने पीछे देखो - जो लौ तुम्हें दिख रही है वह किस रंग की है?" समझदार डुलियाना ने पूछा.

"वो नीली है."

"वो फिर से शैतान का घोड़ा है. लेकिन चिंता मत करो. मैं अपने घोड़ों को झील में बदल दूंगी और तुम्हें और खुद को बत्तख में बदल दूंगी. फिर शायद शैतानों का शैतान हमें पहचान नहीं पाएगा."

लेकिन वो भी एक व्यर्थ आशा साबित हुई, क्योंकि शैतान के घोड़े ने अपने मालिक को उनके बारे में चेतावनी दी, और फिर शैतान ने तुरंत अपनी तलवार खींच ली.

"आओ, बत्तखों, जल्दी अपना उचित आकार ले लो, नहीं तो मैं तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा!" शैतान चिल्लाया.

समझदार डुलियाना ने वैसा ही किया जैसा शैतान ने आदेश दिया था, और उन्हें अपना उचित रूप वापस मिल गया. उन्होंने शैतान के घर में रात बिताई, और सुबह समझदार डुलियाना ने इवांको से कहा:

"अगली बार बेहतर होगा क्योंकि हम बहुत तेज़ गति से जाएंगे!"

लेकिन इवांको ने अपना सिर हिलाकर मना कर दिया.

"मुझे नहीं लगता कि हमें अब और भागने की कोशिश करनी चाहिए." इवांको ने कहा, "शैतानों के शैतान ने मुझे दोनों बार माफ कर दिया क्योंकि मैंने उसके द्वारा बताए दो काम बड़ी अच्छी तरह से किए थे, लेकिन वो तीसरी बार मुझे माफ नहीं करेगा."

समझदार डुलियाना ने इस पर विचार किया और उसे लगा कि इवांको की बात में कुछ दम था और शायद इवांको के लिए उसके बिना, अकेले भागना आसान होगा. समझदार डुलियाना ने उसकी तैयारी में मदद की और फिर इवांको वहां से चला गया.

वो चलता रहा और थोड़ी देर के बाद जमीन पर लटकी हुई दाढ़ी वाले छोटे बूढ़े आदमी के घर पहुंचा.

"आपका जीवन कैसा चल रहा है, दादाजी?" उसने बूढ़े से पूछा.

"मैं ढाई सौ साल का हूं, बेटे, लेकिन इससे पहले मुझे कभी इतनी भूख नहीं लगी थी." छोटे बूढ़े ने कहा,"क्या तुम्हारे पास रोटी का एक टुकड़ा है जो तुम मुझे दे सकते हो?"

इवांको ने रोटी का एक टुकड़ा निकाला, उसे दो टुकड़ों में काटा और आधा हिस्सा छोटे बूढ़े आदमी को दे दिया. फिर उसने अपनी जेब में हाथ डाला और जितने सोने के सिक्के वो एक हाथ में पकड़ सकता था, निकालकर बूढ़े को दे दिए.

"धन्यवाद, मेरे बेटे, बहुत धन्यवाद!" छोटे बूढ़े ने कहा. "किसे पता! - शायद मैं किसी दिन तुम्हारे कुछ काम आ सकूं."

फिर उन्होंने एक-दूसरे से अलविदा कहा और इवांको आगे बढ़ गया.

कुछ देर बाद उसकी नज़र एक बड़ी झोपड़ी पर पड़ी जो जंगल के बीच में खड़ी थी. उसने जब अंदर कदम रखा, तो उसे वहां एक बूढ़ी चुड़ैल मिली!

"शुभ संध्या, मां!" इवांको ने सिर झुकाकर कहा.

"शुभ संध्या, मेरे बेटे!" चुड़ैल ने उत्तर दिया. "तुम यहां क्यों आये हो?"

"मैं कुछ काम खोज कर रहा हूं."

"क्या तुम मेरे लिए कैसे काम करना चाहोगे?" चुड़ैल ने कहा. "मैं तुम्हें दो साल के लिए काम पर रख सकती हूं. तुम्हें बस तीन सफेद घोड़ियों को चराना होगा, लेकिन अगर वे हर दिन दोपहर के समय अपने स्टालों पर वापस नहीं आती हैं तो तुम्हें इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी!"

फिर चुड़ैल ने इवांको के लिए नींद वाली रोटी बनाई और उसे काम पर भेज दिया. इवांको घोड़ियों को जंगल में घास के मैदान में ले गया, वहां उसने नींद वाली रोटी का एक टुकड़ा खाया और वो गहरी नींद में सो गया. जब वो सोया तो घोड़ियां भाग गईं और जंगल में गायब हो गईं.

अचानक लंबी दाढ़ी वाले छोटा बूढ़ा आदमी उसके पास दौड़ता हुआ आया.

"उठो, इवांको!" वो चिल्लाया. "तुम्हारी घोड़ियां हिरण में बदल गई हैं. लेकिन कोई बात नहीं है! तुम अपने चाबुक से उनपर तीन वार करना, फिर वे तुरंत अपना उचित आकार प्राप्त कर लेंगी."

दोपहर के समय इवांको घोड़ियों के साथ घर पर आया. वो उन्हें उनके स्टालों तक ले गया और घर में गया. वहां उसने चुड़ैल को चाकू की धार तेज करने में व्यस्त पाया. लेकिन जब चुड़ैल को पता चला कि घोड़ियां वापस आ गई हैं और सुरक्षित रूप से अपने स्टालों में हैं, तो उसने स्टोव पर रखी तीन लोहे की छड़ें पकड़ लीं, वो अस्तबल की ओर बढ़ी और उसने घोड़ियों इतनी जोर से पीटा कि घोड़ियां छत तक उछल गईं और अपने खुरों से उन्होंने छत को तोड़ दिया.

अगले दिन इवांको, जो अब समझदार हो गया था और उसे पता था कि क्या होने वाला है, उसने नींद वाली रोटी को बिल्कुल नहीं छुआ बल्कि एक पहाड़ी पर बैठ गया और उसने इस बात का ध्यान रखा कि वो सोए नहीं. लेकिन तीन घोड़ियों में से सबसे बड़ी घोड़ी उसके पास आई और उसने उसके चेहरे पर अपनी सांस छोड़ दी, और फिर वो तुरंत सो गया.

धीरे-धीरे उसके पास दुबारा लंबी दाढ़ी वाला छोटा बूढ़ा आदमी दौड़ा हुआ आया!

"उठो, इवांको!" वो चिल्लाया. "यदि तुम ऐसा नहीं करोगे तो यह तुम्हारा अंत होगा! चुड़ैल ने घोड़ियों को घर से निकाल दिया है, उन्हें अंडों में बदल दिया है, उनके ऊपर एक टोकरी रख दी है और वो खुद उसके ऊपर बैठ गई है. वो अभी भी वहीं बैठी है और वो वहां से उठेगी नहीं. इसलिए मेरी बात सुनो और जैसा मैं कहूं वैसा करो. जैसे ही तुम घर में कदम रखोगे मैं लोमड़ी बन जाऊंगा और अटारी पर कूदूंगा जहां चुड़ैल ने एक सुनहरा मुर्गा रखा है. वो मेरे पीछे दौड़ेगी, फिर तुम टोकरी उठाना और अंडों को अपने चाबुक से मारना. तुम देखोगे वे तुरंत फिर से घोड़ियां बन जायेंगी!”

इवांको ने उसे धन्यवाद दिया, और जब वे एक साथ जंगल से बाहर निकल रहे थे, तो छोटे बूढ़े व्यक्ति ने फिर से कहा:

"देखो, यहां एक दिन एक साल के बराबर होता है, इसलिए दो दिन, दो साल के बराबर होंगे. इसलिए तुम्हारी सेवा की अवधि आज रात समाप्त हो जाएगी. चुड़ैल को तुम्हें भुगतान करना होगा और वो तुम्हें एक सुंदर लड़की के अलावा कुछ सोना और चांदी देने की कोशिश करेगी. अब, मैं जो कह रहा हूं उस पर ध्यान दो. तुम वो बिल्कुल नहीं लेना बल्कि उस गधे को मांगना जिसे तुम गोबर के ढेर पर पड़ा हुआ देखोगे और आग्रह करना कि तुम्हें उसकी काठी भी चाहिए, चाहें वो गंदी हो."

वे चुड़ैल के घर पहुंचे, और छोटा बूढ़ा आदमी तुरंत लोमड़ी में बदल गया और अटारी में सुनहरे मुर्गे के पीछे कूदा. इस पर चुड़ैल अंडों के बारे में भूल गई और वो टोकरी से तुरंत उठी. इवांको ने टोकरी उठाई, और तुरंत अंडों पर अपने चाबुक से प्रहार किया और उन्हें वापस घोड़ियों में बदल दिया. चुड़ैल अटारी से नीचे उतरी, उसने चाकू लिया और वो इवांको का सिर काटने ही वाली थी, लेकिन इवांको ने कहा:

"रुको, दादी, और ज़रा अपने आप को शांत करो! घोड़ियां अपने स्टालों में वापस आ गई हैं."

चुड़ैल ने टोकरी के नीचे नज़र डाली, और देखा! अंडे गायब थे. वो अस्तबल की ओर भागी लेकिन इस बार उसने घोड़ियों को नहीं छुआ और वो जल्द ही तीन प्यारी युवा लड़कियों के साथ फिर से बाहर आई. उसने इवांको से कहा कि वो उनमें से किसी को अपने लिए दुल्हन चुन सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और उसने विनती की कि उसे वो गधा चाहिए जो आंगन में गोबर के ढेर पर पड़ा था.

"इतनी मेहनत के बदले में तुम यह क्या मांग रहे हो!" चुड़ैल ने कहा. "गधा, आधा मर चुका है! क्यों, तुम जितना सोना और चांदी ले जाना चाहते हो, वो ले जाओ."

लेकिन इवांको ने ज़ोर देकर कहा कि वो गधे के अलावा कुछ और नहीं लेगा.

"ओह, बहुत अच्छा," चुड़ैल ने कहा, और उसने तीन प्यारी युवा लड़कियों से कहा कि वे इवांको के लिए एक सुनहरी लगाम बनाएं ताकि वो गधे को दूर ले जा सके.

इवांको ने कहा, "मुझे सोने की लगाम की जरूरत नहीं है, दादी."

उसने गधे पर काठी बांधी और वो चल दिया, लेकिन गधा बहुत देर तक ज़मीन पर पड़े रहने के कारण इतना कमज़ोर हो गया था कि वो केवल धीरे-धीरे ही चल सका.

"इवांको, पीछे देखो, क्या चुड़ैल हमें देख सकती है?" गधे ने पूछा.

इवांको ने पीछे मुड़कर देखा.

"हां, वो हमें देख सकती है!" उसने कहा. "वो घर के बिल्कुल ऊपर खड़ी है और वो हमें देख रही है."

वे जंगल पार कर गए और जैसे ही वे जंगल से बाहर निकले, गधा तीन बार हिला और फिर वो बारह पैरों वाले एक घोड़े में बदल गया.

"अब हम तुम्हारी दुल्हन समझदार डुलियाना के पीछे जा सकते हैं, इवांको!" उसने कहा.

इवांको घोड़े की पीठ पर चढ़ गया, और घोड़ा तुरंत आसमान में उड़ा, और जब उसे नीचे लाल समुद्र दिखा तभी वो फिर से नीचे आया. उसने समुद्र में स्नान किया, जिससे उसकी ताकत दोगुनी हो गई, और इससे पहले कि इवांको दो तक गिनती गिन पाता, वे शैतानों के शैतान के घर के सामने थे. समझदार डुलियाना बारहवीं मंजिल पर थी और इवांको ने उसे अपने घोड़े की पीठ से उतरे बिना पकड़ लिया और अपने साथ ले गया.

शैतानों के शैतान का घोड़ा ज़ोर से हिनहिनाया, और शैतानों के शैतान दौड़ा हुआ आया.

"क्या मेरे पास उनके पीछे जाने से पहले दस थाली लोहे के पकौड़े खाने, बारह बैरल बीयर पीने और बीस डिब्बे सिगार पीने का समय है?" उसने पूछा.

घोड़े ने उत्तर दिया, "मालिक, चाहे आप कुछ भी करें, हम उनसे आगे नहीं निकल पाएंगे."

लेकिन उसके बाद भी शैतानों का शैतान नहीं रुका. बिजली की तेजी से वो घोड़े की पीठ पर चढ़ गया और इवांको और समझदार डुलियाना के पीछे दौड़ा.

इवांको को लगा कि घोड़े की सांसें उसे जला रही हैं और वह दर्द से कराहने लगा, लेकिन उसके अपने घोड़े ने चिल्लाकर कहा:

"देखो मेरी बात सुनो, शैतानों के शैतान के घोड़े, ज़रा मेरी बात सुनो, मेरे भाई! तुम अब उस शैतानों के शैतान को छोड़ो और अब तुम हमारे साथ आ जाओ! तुम्हें उसके पास खाने के लिए लोहे की पकौड़े और पीने के लिए ठंडे पानी के अलावा और क्या मिलेगा, और हम तुम्हें देंगे जई और दूध!"

शैतानों के शैतान के घोड़े ने वो सुना, वो बादलों पर चढ़ गया और फिर वो अपनी पीठ पर पलट गया, और उससे शैतानों के शैतान जमीन पर गिर पड़ा और वो मर गया. फिर वो घोड़ा, इवांको के घोड़े तक उड़कर आया, और समझदार डुलियाना उसकी पीठ पर चढ़ गई.

लेकिन उसके बाद अचानक कौन आया? वही चुड़ैल जिसके लिए इवांको ने काम किया था! वो एक पोकर (पंजे) पर चढ़ी हुई थी, लेकिन वो बहुत तेज थी और वो उनसे आगे निकल चुकी थी. तभी लंबी दाढ़ी वाला छोटा बूढ़ा आदमी चुड़ैल के सामने सड़क पर नीचे गिर गया.

"रुको!" बूढ़ा चिल्लाया. "क्या तुम सीमा-रेखा नहीं देख रही हो? तुम्हें पता है कि तुम सीमा-रेखा पार नहीं कर सकती हो!"

और चूंकि उन दिनों आज की तुलना में आप बिना अनुमति के सीमा पार नहीं कर सकते थे, इसलिए चुड़ैल को वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा.

फिर इवांको अपनी दुल्हन समझदार डुलियाना, जो बुद्धिमान होने के साथ-साथ बहुत अमीर थी को अपनी मां के घर ले गया.

अंत